उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

सामाजिक विज्ञान–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)

(विषय कोड–09)

(अ) भूगोल :

भौतिक भूगोल–

सौर मण्डल उत्पत्ति सौर मण्डल में पृथ्वी की आकृति एवं गतियां, पृथ्वी की ~~गतियों~~ गतियों के प्रभाव, सूर्य-ग्रहण एवं चन्द्रग्रहण, अक्षांश देशान्तर का निरूपण, ग्लोब पर किसी स्थल की अवस्थिति का निर्धारण, स्थानीय एवं प्रामाणिक समय का निर्धारण, अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा–अनुरेखन एवं महत्व।

स्थलमण्डल–

चट्टान, उत्पत्ति एवं प्रकार, ज्वालामुखी क्रिया/ज्वालामुखी के प्रकार एवं विश्व वितरण, भूकंप उत्पत्तियां एवं विश्व वितरण, महादीपों एवं महासागरों का वितरण, पर्वत एवं उनके प्रकार, वलित पर्वतों का विश्व के प्रमुख पठार एवं उनके प्रकार, मैदान एवं नदी घाटिया, अपरदन एवं अपक्षय प्रक्रियायें, डेविस का अपरदन चक्र, नदी घाटी की निम्नीकरण प्रक्रिया, जल, पवन, हिमनद, भूमिगत जल और सागरीय जल के अपरदन एवं निक्षेपण द्वारा विभिन्न चरणों में निर्मित प्रमुख भू आकृतियों, समोच्य रेखायें एवं समोच्य रेखाओं द्वारा प्रमुख स्थल आकृतियों की पहचान।

वायु मण्डल–

वायुमण्डल की संगठन एवं संरचना, सूर्यताप एवं उसे प्रभावित करने वाले कारक, तापमान का क्षैतिज एवं उर्ध्वाधर वितरण, तापमान विलोमता, वायुदाय पेटियां एवं सनातन पवन, महत्वपूर्ण स्थानीय पवन, वर्षण की प्रक्रिया–वर्षा, पाला कुहरा आदि संवाहनिक, धरातलीय एवं चक्रवातीय वर्षा, विश्व के जलवायु प्रदेश, दैनिक मौसम मानचित्र में प्रयुक्त संकेतों की पहचान।

जल मण्डल–

महासागरों का उच्चावचन, महासागरीय तापमान एवं लवणता, महासागरीय धारायें उत्पत्ति प्रवाह दिशा एवं जलवायुविक प्रभाव, ज्वार भाटा प्रक्रियायें एवं उत्पत्ति के सिद्वान्त।

जैव मण्डल–

संरचना, वनस्पति के प्रकार एवं विश्व वितरण तथा संबंधित वन्य जीव जन्तु।

मानव भूगोल–

मानव पर्यावरण अन्तसंबंध, सैद्धान्तिक, विवेचन रेटजेल, डेविस, सेम्पुल, इंटिग्टन, वाइडल डी ला ब्लाश, ब्रुंश एवं ग्रिफिश टेलर के मत, विश्व में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण का विवेचन, मानव प्रजातियाँ, विश्व की प्रमुख मानव प्रजातियाँ–काकेशियस, मगोलाइड के लक्षणात्मक भेद एवं वितरण, विश्व की आदिम जातियां एवं तत्संबंधित निवास से अन्तर्सम्बंध, बुशमैन, एस्कीमों, खिरगीज, बद्दू, मसाई, सेमांग के विशेष संदर्भ में।

मानव अधिवास–

प्रमुख प्राकृतिक प्रदेशों में ग्रामीण अधिवास के स्वरूप एवं पर्यावरण से संबंध, विश्व के प्रमुख मेगा नगर : अवस्थिति एवं महत्व।

आर्थिक भूगोल–

विश्व की प्रमुख फसलों का भौगोलिक विवेचन चावल, गेहूं, कपास, गन्ना, चुकन्दर, चाय, कहवा एवं रबर; विश्व में मत्स्य आहरण, वनदोहन एय दुग्ध उत्पादन, प्रमुख ऊर्जा एवं खनिज संसाधन : कोयला, पेट्रोलियम, लौह अयस्क, मैगनीज, बाक्साइट, एवं तांबा, विश्व में प्रमुख उद्योगों की अवस्थिति के कारक एवं वितरण; लौह इस्पात, सूती एवं कृत्रिम वस्त्र, कागज, तेल शोधन; विश्व के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, विश्व के प्रमुख व्यापारिक मार्ग एवं पत्तन।

भारत–

स्थिति, विस्तार, अर्न्तराष्ट्रीय सीमायें एवं इससे संबंधित भू–समस्यायें, हिन्द महासागर एवं उसका आर्थिक एवं सामरिक महत्व, धरातलीय स्वरूप, जलप्रवाह, मानसून की उत्पत्ति एवं विशेषताएं, जलवायु प्रदेश, मिट्टियाँ एवं उनका जलवायु एवं प्राकृतिक वनस्पति से अन्तर्सम्बंध, निर्वनीकरण, बाढ़ एवं मिट्टी अपरदन की समस्यायें एवं उनके समाधान। कृषि–खाद्यान्न उत्पादन, प्रगति एवं समस्यायें, हरित, श्वेत एवं नीलक्रातियाँ, प्रमुख फसलें चावल, गेहूँ, गन्ना, दलहन, तिलहन, चाय, श्रीअन्न के भौगोलिक वितरण एवं उत्पादन प्रवृत्ति, खनिज संसाधन एवं उनके दोहन से जुड़ी समस्यायें, उर्जा संकट एवं उसका समाधान; कोयला एवं खनिज तेल का भौगोलिक क्षेत्र एवं उत्पादन, उर्जा के वैकल्पिक स्रोत, बहुउद्देशीय योजनायें एवं उनसे जुड़ी पर्यावरणीय समस्यायें, वस्तु निर्माण उद्योग, लौह–इस्पात, वस्त्र, चीनी, कागज, सीमेंट एवं अल्युमिनियम उद्योगों की अवस्थिति एवं वितरण प्रतिरूप, जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, जनसंख्या जनित समस्या, विश्व के प्रमुख परिवहन के साधन; परिवहन मार्ग एवं बन्दरगाह, विदेशी व्यापार, प्रमुख नगर।

(ब) इतिहास

पुरा ऐतिहासिक संस्कृतियां :– पुरा पाषाण युग, मध्य पाषाण युग एवं नव पाषाण युग की प्रमुख विशेषताएं।

प्राचीन युग– सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताएं,

वैदिक कालीनसमाज, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक संस्थाएं, धर्म एवं दर्शन।

धार्मिक आन्दोलन :– जैन धर्म, बौद्ध धर्म, भागवत धर्म, शैव धर्म, भक्ति की विशेषताएं

मौर्य साम्राज्य :– चन्द्रगुप्त मौर्य, बिन्दुसार, अशोक

मौर्य प्रशासन, कला, समाज

मौर्योत्तर काल :– शुंग राजवंश, शक, कुषाण राजवंश, मालव एवं सातवाहन।

गुप्त साम्राज्य :– चन्द्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य, कुमारगुप्त प्रथम, स्कन्दगुप्त गुप्तकालीन कला, (मंदिर वास्तु) समाज एवं संस्कृति,

गुप्तोत्तर कालः– हर्ष शीलादित्य पाल, प्रतिहार, चाहमान, चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव एवं चोल राजवंश का राजनीतिक एवं सांकृतिक इतिहास।

भारत में मुस्लिम आक्रमण, भारतीय प्रतिरोध एवं मुस्लिम आक्रमण का प्रभाव।

कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, रजिया एवं बलबन के विशेष संदर्भ में दिल्ली सल्तनत की प्रमुख विशेषताएं।

अलाउद्दीन खिलजी :– सामरिक उपलब्धियां, प्रशासन एवं बाजार व्यवस्था

तुगलक राजवंश :– गयासुद्दीन तुगलक, मोहम्मद बिन तुगलक, फिरोजशाह तुगलक।

तैमूर का आक्रमण, बहमनी साम्राज्य, सैय्यद एवं लोदी वंश,

मुगल राजवंश :– बाबर, हुमायूँ अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ और औरगंजेब जीवन चरित्र एवं उपलब्धियां।

राणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जीवन चरित्र एवं उपलब्धियां।

आधुनिक भारत (1858–1950 ई०):– सन् 1857 ई० में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम का कारण, स्वरूप एवं परिणाम, योरोपीय शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव। उन्नीसवीं

शताब्दी में भारतीय पुर्नजागरण तथा सामाजिक धार्मिक आन्दोलन, क्रांतिकारी आन्दोलन उसका स्वरूप एवं उसका योगदान।

राष्ट्रीय आन्दोलन में महात्मा गाँधी का योगदान, स्वतन्त्रता की प्राप्ति तथा विभाजन के बाद का भारत (सन् 1950 ई तक)। भारतीय गणतन्त्र की प्रमुख विशेषताएं

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

सामाजिक विज्ञान–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)
(विषय कोड–09)

(स) अर्थशास्त्र

आर्थिक सिद्धान्त :

अर्थशास्त्र, परिभाषा एवं प्रकृति, स्थैतिक एवं प्रवैगिक, विश्लेषण, व्यष्टि एवं समष्टि विश्लेषण मांग का नियम एवं मांग के लोच की माप, उपयोगिता विश्लेषण, तटस्थता वक्र द्वारा उपभोक्ता का संतुलन, कीमत प्रभाव, आय प्रभाव, प्रतिस्थापना प्रभाव, प्रकटित अधिमान। परिवर्तन शील अनुपातों का नियम एवं पैमाने के प्रतिफल का नियम, उत्पादन फलन, समोत्पाद वक्र विश्लेषण माल्थस एवं अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त।

कीमत निर्धारण के सिद्धान्त :

पूर्ण स्पर्धा, एकाधिकार एवं एकाधिकृत प्रतियोगिता में फर्म का साम्य : कीमत–उत्पादन निर्धारण।

वितरण सिद्धान्त :

लगान का प्रतिष्ठित एवं आधुनिक सिद्धान्त, ब्याज का नव–परम्परावादी एवं कीन्स का सिद्धान्त, प्रो० नाइट का लाभ सिद्धान्त, पूर्ण एवं अपूर्ण प्रतियोगिता में मजदूरी निर्धारण।

मुद्रा एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

मुद्रा की माँग एवं मुद्रा की पूर्ति–मुद्रा का मूल्य– मुद्रा परिमाण सिद्धान्त के फिशर तथा कैम्ब्रिज दृष्टिकोण, मुद्रास्फीति, संस्फीति एवं मंदीस्फीति, व्यापारिक बैंकों के कार्य, साख सृजन, केन्द्रीय बैंक के कार्य, साख नियन्त्रण के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक तरीके, मौद्रिक नीति।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार :

तुलनात्मक लागत सिद्धान्त, स्वतन्त्र व्यापार एवं संरक्षण की नीतियां, व्यापार की शर्तें। विनिमय दर, क्रयशक्ति समता सिद्धान्त एवं भुगतान शेष सिद्धान्त, व्यापार शेष एवं भुगतान शेष, असंतुलन के कारण एवं समाधान। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, अन्तर्राष्ट्रीय पुननिर्माण एवं विकास बैंक, एशियन विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन।

लोक वित्त :

राजस्व एवं रोजगार सिद्धान्त, निजी एवं सार्वजनिक वित्त, अधिकतम सामाजिक कल्याण सिद्धान्त, कर एवं आर्थिक प्रभाव, कर देय क्षमता एवं लाभ सिद्धान्त, करों में न्याय, कराघात एवं करापात, सार्वजनिक व्यय के उद्देश्य एवं सिद्धान्त, हीनार्थ प्रबंधन, सार्वजनिक ऋण भार एवं

शोधन। राजकोषीय नीति, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के आय स्रोत एवं व्यय। परंपरावादी एवं कीन्स का रोजगार सिद्धान्त।

आर्थिक प्रणालियां : पूजीवाद, समाजवाद एवं मिश्रित अर्थव्यवस्थाएं।

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं आर्थिक विकास :

भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं, गरीबी एवं विकास जनसंख्या प्रवृत्ति एवं जनसंख्या, नीति, राष्ट्रीय आय का वितरण एवं संरचना, भूमि सुधार, लघु एवं सीमान्त कृषक, कृषि की समस्यायें एवं समाधान, कृषि विपणन, अल्परोजगार की समस्या, दृश्य एवं अदृश्य बेरोजगारी, कारण एवं समाधान ।

औद्योगीकरण की समस्यायें :

नई औद्योगिक नीति, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उपक्रम, श्रम संघों की भारत में भूमिका, औद्योगिक विवाद।

विदेशी व्यापार एवं आर्थिक विकास :

विदेशी व्यापार की संरचना एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ, आयात–प्रतिस्थापन। आर्थिक विकास एवं आर्थिक प्रगति, आर्थिक विकास की कमी के कारण, पूंजी निर्माण, रोस्टो के आर्थिक विकास के सोपान। आर्थिक विकास के सिद्धान्त, न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त, विकास के उपाय, भारत में आर्थिक नियोजन।

सामाजिक विज्ञान–प्रशिक्षित स्नातक (माध्यमिक शिक्षा)
(विषय कोड–09)

(द) नागरिक शास्त्र :

नागरिक शास्त्र : परिभाषा, प्रकृति, विषय वस्तु एवं क्षेत्र

राज्य : परिभाषा, तत्व, राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्त,

राजनीतिक अवधारणायें : संप्रभुता, कानून, दण्ड, अधिकार, स्वतन्त्रता, समानता, नागरिकता। **प्रजातंत्र एवं अधिनायक तन्त्र।**

राजनीतिक विचारधाराएँ : व्यक्तिवाद, उदारवाद, फासीवाद एवं वैज्ञानिक समाजवाद।

राजनीतिक दार्शनिक : प्लेटो, अरस्तू, हॉब्स, लाक, रूसों, बेन्थम, जे0ए0मिल0 कार्लमार्क्स, मनु, कौटिल्य और गाँधी।

सरकार : संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक तथा एकात्मक एवं संघात्मक।

सरकार के अंग : व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका,

चुनाव आयोग, चुनाव सुधार एवं मतदान व्यवहार।

गोखले तिलक, गांधी, नेहरू, सुभाष, जिन्ना एवं डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर का राष्ट्रीय आन्दोलन में योगदान।

भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं : मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्व,

संघ सरकार : कार्यपालिका, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद

भारतीय संसद : लोकसभा एवं राज्यसभा

भारतीय न्यायपालिका : सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय।

राज्य सरकार : राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री

जिला प्रशासन : जिलाधिकारी

लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण एवं पंचायती राज

भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियां : जातिवाद, क्षेत्रवाद एवं सांप्रदायिकता

राजनीतिक दल एवं दबाव समूह

भारतीय प्रशासन : नौकरशाही, अम्बुडसमैन, लोकपाल एवं लोकायुक्त